समाज-सुधार में कला अधिक प्रभावशाली -राज्यपाल 22-6-2017

चंडीगढ, 22 जून। समाज-सुधार में कला-जगत अन्य सब साधनों से अधिक प्रभावशाली है। कला व साहित्य जो संदेश देते हैं वह सीधे ही जनमानस के दिल-दिमाग में उतर जाता है। इसलिए पब्लिक ओपिनियन को उन्नत करने में कलाजगत को आगे आना चाहिए। ये उद्गार हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी ने बुधवार रात को नाटक 'संध्या छाया' को देखने के बाद बोलते हुए व्यक्त किए। नाटक का मंचन थियेटर फाॅर थियेटर संस्था द्वारा अपने स्थानीय टैगोर थियेटर में किया गया था। राज्यपाल ने कहा कि यह नाटक आज के समाज का गंभीर व दुखद चित्रण है जो भारत से बाहर जाने वाले युवाओं के माता-पिता के दुख बारे हमारे मन को झकझोरता है। उन्होंने कहा कि प्रगति के लिए ऐसे युवाओं की देश को बड़ी जरूरत है साथ वृद्धावस्था में अपने बाल-बच्चों से दूर होने पर माता-पिता का जीवन दूभर हो जाता है। यह नाटक इन दोनों की बातों का जीवंत चित्रण है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को बदलने के लिए हमें कारगर कदम उठाने हांेगे।

नाटक की मुख्य भूमिकाओं में सुदेश शर्मा और मधु बाला के सजीव अभिनय ने दर्शकों को हर पल भावों के उतार-चढाव में बहा दिया। राज्यपाल ने नाटक को आरंभ से अंत तक देखा और सब कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। थियेटर फाॅर थियेटर के अध्यक्ष मदन गुप्ता ने सबका धन्यवाद किया। दर्शकों से खचाखच भरे थियेटर में इस अवसर पर पंचकुला के विधायक ज्ञानचन्द गुप्ता, चण्डीगढ भाजपा अध्यक्ष संजय टंडन, हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव खेल विभाग के0 के0 खण्डेलवाल, कला व संस्कृति विभाग के निदेशक विवके अत्रेय, चण्डीगढ बाल कल्याण समिति की चेयरपर्सन बीबी हरजिन्दर कौर, चण्डीगढ के अतिरिक्त उपायुक्त असगर अली, सहकार भारती के संगठन मंत्री अमृत सागर, सेवा भारती के संगठन मंत्री प्रदीप शर्मा आदि उपस्थित थे।